'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ाकर निवेशकों को नई सुविधाएं प्रदान करेगी प्रदेश सरकार

● निवेश प्रक्रिया सरलीकरण समेत विभिन्न परियोजनाओं पर होगा काम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास कर रही है। सीएम योगी के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश ने इस दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। ऐसे में, अब इस प्रगति को नए आयाम देने की दिशा में योगी सरकार द्वारा दो अहम कदम उठाए गए हैं। एक ओर, प्रदेश में निवेश प्रक्रिया के सरलीकरण, तमाम प्रकार की मंजूरी और इन्सेंटिव प्रणाली का लाभ देने व निवेशकों को नई सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) में इन्वेस्टमेंट रिफॉर्म्स का डीटेल्ड मैकेनिज्म बनाया जाएगा। इसके जरिए इन्वेस्टमेंट प्रमोशन व फैसिलिटेशन का मार्ग प्रशस्त होगा और प्रक्रिया सरलीकरण में मदद मिलेगी। इसी प्रकार, इन्वेस्ट यूपी द्वारा निवेश मित्र पोर्टल के सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म प्रणाली को और दुरुस्त करने पर फोकस किया जा रहा है। प्रक्रिया के अंतर्गत दो चरणों में बिजनेस यूजर्स के लिए यूनिफाइड जी2बी इंटरफेस, माइक्रो सर्विस आर्किटेक्चर, इंटीग्रेशन व एफिशिएंट कंटेंट मैनेजमेंट प्रणाली को पोर्टल से जोड़ा जाएगा। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों को प्रक्रिया सरलीकरण समेत ईज ऑर् डूइंग बिजनेस के विभिन्न कॉम्पोनेंट्स का लाभ मिलना चाहिए। इसी दिशा में यूपीसीडा में डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) के मानकों के अनुरूप बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान (बीआरएपी) को लागू किया जाएगा। यह डीटेल्ड मैकेनिज्म की तरह कार्य करेगा जो यूपीसीडा के ऑफिशियल्स की परफॉर्मेंस में इजाफा करने, ऑनलाइन सर्विसेस के मॉडिफिकेशन व निवेश मित्र के साथ उसके इंटीग्रेशन का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके साथ ही, इंडस्ट्रियल पार्क रेटिंग सिस्टम (आईपीआरएस रैंकिंग) का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। यह यूपीसीडा के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में विकास व निवेश के अवसर तलाशने तथा गैप ऐनालिसिस के माध्यम से सुधार के क्षेत्रों में काम करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके अतिरिक्त, इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्ट्रैटेजी के विकास व विस्तार, बिजनेस प्रॉसेस री-इंजीनियरिंग, नॉलेज क्रिएशन, डाटाबैंक मैनेजमेंट, बिजनेस प्रमोशन व मार्केटिंग, जीआईएस सिस्टम के इवैल्युएशन समेत विभिन्न प्रकार के कार्यों का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 3 वर्षों की कार्यावधि के लिए एक कंसल्टेंसी एजेंसी को कार्य सौंपा जाएगा जिसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है।सीएम योगी की मंशा अनुरूप, इन्वेस्ट यूपी द्वारा निवेश मित्र पोर्टल की सिंगल विंडो प्रणाली को और सुदृढ़ कर उसमें नई सुविधाओं को जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत दो फेज में कार्य को पूरा किया जाएगा। पहले फेज में डिजाइन, डेवलपमेंट व इंप्लिमेंटेशन से जुड़ी प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा।